नव भारत, भोपाल
24 JUN 2011

मुख्यमंत्री को विश्व बैंक का बुलावा

विश्व बैंक प्रबंध संचालक ने पत्र लिख़कर वाशिंगटन आने का दिया न्यौता

भोपाल, 23 जून मध्यप्रदेश में नवाचारी विकास कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणामों और अनुभवों से प्रभावित होकर विश्व बैंक मुख्यालय वाशिंगटन ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को वार्ता के लिये आमंत्रित किया है. विश्व बैंक का मानना है कि मध्यप्रदेश में हो रहे नवाचारों से अन्य देशों को भी अवगत करवाया जाना चाहिये.

विश्व बैंक की मैनेजिंग डायरेक्टर नगोजी ओकांजों-आइवेला ने आधिकारिक तौर पर पत्र लिखकर चौहान को वार्ता के लिये वाशिंगटन डीसी आमंत्रित किया है. अपने पत्र में उन्होंने भोपाल प्रवास के संदर्भ में कहा कि मध्यप्रदेश राज्य के समग्र विकास, बच्चों के पोषण और महिलाओं को सशक्त बनाने के मुद्दों के संबंध में चौहान की सोच सराहनीय है.

नगोजी ने अपने पत्र में रायसेन जिले में विकास कार्यों और नवाचारी पहल, महिलाओं और बच्चों के लिये स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के अवलोकन का उल्लेख किया है. उन्होंने लिखा कि मध्यप्रदेश में हो रहे विकास

कार्यों विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के विकास के संबंध में हुए कार्यों पर मुख्यमंत्री चौहान की वार्ता आयोजित की जायेगी.

उन्होंने पत्र में मध्यप्रदेश में अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में भी विश्व बैंक की रूचि दिखाई है. उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक के एक प्रतिनिधि-मंडल ने हाल ही में प्रदेश का दौरा किया था और मुख्यमंत्री से भेंट की थी. प्रतिनिधि मंडल ने महिलाओं के विकास और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को प्रगतिशील राज्य बताते हुए प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर नियंत्रण, कन्याओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के प्रयासों को अत्यंत व्यवहारिक और अनुकरणीय बताया था.

प्रतिनिधि-मंडल के सदस्यों का मानना था कि प्रदेश में हो रहे कार्यों से अन्य देशों की सरकारों को भी अवगत कराने की आवश्यकता है. उल्लेखनीय है कि महिलाओं के लिए शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारियों से संबंधित सभी कार्यों में राज्य सरकार सहयोग कर रही है.

लाड़ली लक्ष्मी, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, गाँव की बेटी, जननी सुरक्षा, महिलाओं को पंचायतों और नगरीय निकायों के निर्वाचन में 50 प्रतिशत आरक्षण जैसे सफल नवाचार किए गए हैं. कुपोषण उन्मूलन की चुनौती के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के साथ अटल बाल आरोग्य मिशन का संचालन किया जा रहा है. राज्य के कुल बजट का लगभग 38 प्रतिशत सामाजिक क्षेत्र में खर्च हो रहा है.